Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding conducting Panchayat Elections by Election Commission of India.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): माननीय उपाध्यक्ष जी, हिंदुस्तान में पंचायती राज प्रतिष्ठान सदियों पुरानी व्यवस्था है। पंचायती राज हिंदुस्तान के आम लोगों का अपनी भाषा में अपनी राय बताने का जरिया है।

महात्मा गांधी कहते थे – India begins and ends in villages, हर गांव एक रिपब्लिक होना चाहिए। महात्मा गांधी जी से लेकर जवाहर लाल नेहरू जी, इंदिरा गांधी जी, लाल बहादुर शास्त्री जी, राजीव गांधी जी और नरसिम्हा राव जी के काल तक तक पंचायती राज इंस्टीट्युशन मॉडर्न इंस्टीट्युशन के रूप में उभर कर आया है। हिंदुस्तान के गांव के आम नागरिकों के लिए पंचायत के चुनाव में भाग लेना ग्रामीण त्यौहार के रूप में मनाया जाता है, लेकिन इस बार पश्चिम बंगाल में जिस ढंग से पंचायतों का चुनाव हुआ है। …. (व्यवधान) इसके चलते पश्चिम बंगाल आम लोगों में ग्रामीण त्यौहार नहीं बल्कि खून की होली मनाई गई है, जहां 60 से ज्यादा लोगों का खून हुआ है, मौत हुई है। …. (व्यवधान) पश्चिम बंगाल में 30,000 सीटें हैं, यहां बिना कांटेस्ट के जीत हासिल हुई है, जहां 60 से ज्यादा लोगों की हत्या हुई है। जहां 34 फीसदी वोटर्स वोट देने में असफल रहे हैं क्योंकि वहां दहशतगर्दी, भीषण तनाव रहा है, In West Bengal Panchayat election has been reduced a mockery of democracy. The rights of the people have been smothered.

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Kunwar Pushpendra Singh Chandel are allowed to associate with the matter raised by Shri Adhir Ranjan Chowdhury.